MODERN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
RISHIKESH
Affiliated to H.N.B. Garhwal University (A Central University), Srinagar Garhwal, Uttarakhand Technical University, Dehradun, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Tehri Garhwal & Uttarakhand Board of Technology Education, Roorkee, Approved by PCI, NCTE, AICTE

एमआईटी ढालवाला में हुआ विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन।।

शनिवार 14 सितंबर 2019 को **विश्व हिंदी दिवस** पर **एमआईटी ढालवाला** में कार्यक्रम का आयोजन हुआ और कार्यक्रम का आरंभ एमआईटी संस्थान के **संस्थापक "एच जी जुयाल"** द्वारा सरस्वती देवी की मूर्ति के सामने पर दीपक जलाकर किया गया।

एमआईटी संस्थान के **संस्थापक एच जी जुयाल** ने अपने संबोधन में बताया कि बहुत सी बोलियों और भाषाओं वाले हमारे देश में आजादी के बाद भाषा को लेकर एक बड़ा सवाल आ खड़ा हुआ। आखिरकार 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया। हालांकि शुरू में हिंदी और अंग्रेजी दोनो को नए राष्ट्र की भाषा चुना गया और संविधान सभा ने देवनागरी लिपि वाली हिंदी के साथ ही अंग्रेजी को भी आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया, लेकिन 1949 में आज ही के दिन संविधान सभा ने हिंदी को ही भारत की राजभाषा घोषित किया। हिंदी को देश की राजभाषा घोषित किए जाने के दिन ही हर साल हिंदी दिवस मनाने का भी फैसला किया गया।ओर बता दें संस्थान के **निदेशक "रवि जुयाल"** ने छात्रों को अपनी हिंदी भाषा से उसी प्रकार लगाव करने को कहा जैसे हम अपने परिवार माता-पिता से करते हैं क्योंकि हिंदी भाषा ही हमें हमारे परिवार के मध्य संबंधों के भावों और विचारों को प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करती है। हिंदी स्वयं में एक परिपूर्ण और समृद्ध भाषा है कार्यक्रम में **बी एड विभाग** के प्रशिक्षकों ने हिंदी के प्रति अपने लगाव और श्रद्धा को व्यक्त करते हुए अपने विचार व्यक्त किए तथा हिंदी भाषा की उपयोगिता के अनुरूप हिंदी का सम्मान न केवल राजकीय भाषा अपितु राष्ट्रभाषा होने का समर्थन और आशा व्यक्त की। ज्ञातव्य है संस्थान में प्रतिवर्ष सितंबर माह को हिंदी माह के रूप में मनाया जाता है जिसमें हिंदी भाषा से जुड़ी अनेक गतिविधियां और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिसमें हिंदी भाषी क्षेत्र के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन एवं संचालन भी किया जाता है । शिक्षा विभाग के प्राध्यापकों द्वारा हिंदी भाषा के संबंध में विचार प्रस्तुत करते हुए हिंदी के महत्व को शिक्षा से जोड़ते हुए स्पष्ट किया कि हिंदी का महत्व विद्यार्थी जीवन के लिए और अधिक हो जाता है क्योंकि शिक्षा चाहे किसी भी वर्ग की ही क्यों ना हो हिंदी को एक विषय के रूप में सदैव प्रत्येक छात्र का लगाव रहता है, इसलिए हिंदी सदेव छात्र जीवन का अंग बनी रही है और हिंदी भाषा की उपयोगिता के बनाए रखने के लिए हिंदी का निरंतर उपयोग करते रहना आवश्यक है। कार्यक्रम में बीएड प्रशिक्षकों के द्वारा हिंदी की दशा और दिशा पर विचार प्रस्तुत किए गए और इसमें क्रमशः प्रथम स्थान विष्णु को द्वितीय स्थान पूजा कंडवाल को और तृतीय स्थान दीक्षा भारती को प्राप्त हुआ और बता दें शिक्षा विभाग से असिस्टेंट प्रोफेसर अंशु यादव ने हिंदी भाषा की उपयोगिता को बताते हुए कहा कि हिंदी भाषा विश्व की दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है और हिंदी ही वह भाषा है जो पूरे देश को जोड़ने का एवं एकता स्थापित करने का काम करती है, इसलिए आज भी हिंदी भाषा को संपूर्ण भारत में सबसे प्रिय और सरल भाषा का दर्जा प्राप्त है। इसलिए आवश्यक है कि हम हिंदी के अस्तित्व को और विशाल आकार देने के लिए इसका सदुपयोग सदैव बनाए रखे। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक एच जी जुयाल और संस्थान के निदेशक रवि जुयाल, शिक्षा विभाग से अंशु यादव , डॉ प्रेम प्रकाश पुरोहित, शिल्पी कुकरेजा ,राजेश चौधरी,रवि कुमार, डॉक्टर रितेश जोशी और अन्य सभी शिक्षा विभाग से शिक्षक उपस्थित रहे।

।। आयोजित कार्यक्रम की कुछ झलक ।।

MODERN INSTITUTE
OF TECHNOLOGY
Dhalwala, Rishikesh
Uttarakhand
EXIT MEETING
NAAC
MODERN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
MIT
DEPARTMENT OF MANAGEMENT
STUDIES
DHALWALA, RISHIKESH U.K.

MODERN INSTITUTE
OF TECHNOLOGY
Dhalwala, Rishikesh
Uttarakhand
EXIT MEETING
NAAC
हिन्दी दिवस
14 सितम्बर
2019
MODERN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
MIT
DEPARTMENT OF MANAGEMENT
STUDIES
DHALWALA, RISHIKESH U.K.

MODERN INSTITUTE
OF TECHNOLOGY
Dhalwala, Rishikesh
Uttarakhand
EXIT MEETING
NAAC
2019
MODERN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
MIT
DEPARTMENT OF MANAGEMENT
STUDIES
DHALWALA, RISHIKESH U.K.